प्रतिबंधित थाई मांगुर मछली बनी मुनाफे का कारोबार

दुर्ग जिले में फल फूल रहा व्यापारी और लोग हो रहे बीमार

एनजीटी के आदेश पर भारत सरकार लगा चुका है प्रतिबंध

दुर्ग (चिन्तक)। यह तो सभी जानते हैं कि मछली सेहत के लिए कितना लाभकारी है। बाजारों में बिकने वाले मछलियों को लोग चाव से खाते भी हैं। लेकिन पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश सहित दुर्ग जिले के बाजारों में कुछ ऐसी मछलियां भी बिक रही है जो पूर्णत: प्रतिबंधित है और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक भी। जिसे खाने के बाद लोगों को कैंसर व डायबीटीज सहित कई अन्य बीमारियां भी होने की संभावना बढ़ जाती है। कुछ लोगों ने इसे मुनाफे का कारोबार बना लिया है। लोगों की जान से खिलवाड़ किया जा रहा है।

जी हां हम बात कर रहे हैं थाई मांगुर की। थाई मांगुर का वैज्ञानिक नाम क्लेरियस गेरीपाइंस है। थाई मांगुर पर देश में पूर्णत: प्रतिबंध के बाद भी बाजारों में धड़ल्ले से बेचा जा रहा है जिसमें दुर्ग जिला भी शामिल हैं। मांगुर मछली खाने से सावधान किया है क्योंकि इससे लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है। जिले में मत्स्य पालकों द्वारा अधिक मुनाफा के चक्कर में थाई मांगुर की फार्मिंग धड़ल्ले से की जा रही है। राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी) ने भारत सरकार को इस मछली पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया था। इस मछली को वर्ष 1998 में सबसे पहले केरल में बैन किया गया था। इसके बाद भारत सरकार ने वर्ष 2000 में एनजीटी के आदेश पर अमल करते हुए इसके पालन और बिक्री पर पूर्णत: प्रतिबंध लगा दिया था। अब सवाल यही उठता है कि प्रतिबंध के बाद भी दुर्ग जिले के मछली बाजारों में थाई मांगुर की बिक्री किसके अनुमति से हो रहा है?

कैंसर, डायबीटीज जैसी घातक बीमारियां भी

यह मछली मांसाहारी है। मांस खाकर बढ़ जाती है। ऐसे में इसके सेवन सेहत के लिए भी घातक है। इसी कारण भारत सरकार द्वारा वर्ष 2000 में थाई मांगुर के पालन, विपणन, संर्वधन पर प्रतिबंध लगाया गया था लेकिन इसके बावजूद भी मछली मंडियों में इसकी खुले आम बिक्री हो रही है। मछली पालक अधिक मुनाफे के चक्कर में तालाबों और नदियों में प्रतिबंधित थाई मांगुर को पाल रहे है क्योंकि यह मछली चार महीने में ढाई से तीन किलो तक तैयार हो जाती है। इस मछली में 80 फीसदी लेड एवं आयरन के तत्व पाए जाते है। विशेषज्ञों के मुताबिक यह मछली प्रकृति के साथ ही इंसानों के लिए भी नुकसानदेह हैं। इस मछली को खाने से कैंसर, डायबीटीज जैसी घातक बीमारियां होने की संभावना रहती है।

स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध कराया जा रहा चारा

सूत्रों ने बताया कि मछली पालकों को स्थानीय स्तर ही प्रतिबंधित थाई मांगुर की चारा उपलब्ध कराया जा रहा है। वहीं मछली पालक भी कम समय में अधिक मुनाफा के चक्कर में इसकी फार्मिंग कर रहे हैं। मछली पालकों द्वारा टंकी बनाकर इसकी फार्मिंग की जा रही है। बताया जाता है कि राजनांदगांव से भी दुर्ग जिले में बड़े पैमाने पर प्रतिबंधित थाई मांगुर का चारा उपलब्ध करवाया जा रहा है।

डाक्टर के घर से नगदी सहित सोने चांदी सिक्के की चोरी

एटीएम का पिनकोड चुराकर निकाले 8 हजार

भिलाई नगर (चिन्तक)। अहिवारा के बानबरद में डाक्टर के सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोरो ने नगदी सोने चांदी के सिक्के पार करने के बाद एटीएम और पीन नंबर का लिफाफा ले उड़े और एटीएम के माध्यम से बैंक खाता से शेष रकम पर भी हाथ साफ कर दिया।

हैदराबाद गए डाक्टर के मोबाइल से जब रूपए निकलने का मैसेज आने लगा तब उन्होने आनन-फानन पडोसी को फोन लगाया इसी दौरान उन्हें पता चला घर में चोरी हो गई है। नंदिनी थाना पुलिस ने हैदराबाद से लौटे डाक्टर की रिपोर्ट पर अज्ञात चोर के खिलाफ धारा 380,व 457 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है।

नंदिनी थाना पुलिस ने बताया कि 54 वर्षीय डाक्टर हेमंत देशमुख बानबरद जामुल मेन रोड से लगे निवास पर ताला लगाकर 29 दिसंबर को परिवार सहित हैदराबाद अपनी बेटी के घर गए थे। 31 दिसंबर की सुबह 9 बजे उनके बेटे अनुप देशमुख के मोबाइल पर एटीएम से पैसे निकालने का मैसेज आने लगा। चूंकि डाक्टर अपना एटीएम घर की आलमारी के अंदर रखकर गए थे। उन्होने अपने पड़ोसी अनिष देवांगन को फोन कर उनका घर देखने के लिए बोला कुछ देर बाद अनिष देवांगन ने फोनकर बताया कि घर के सामने व पीछे दरवाजे का ताला व आलमारी टूटी हुई है । घटना की सूचना मिलते ही अगले दिन डाक्टर हेमंत देशमुख हैदराबाद से निकले कल बानबरद पहुंचकर उन्होने देखा दरवाजे का ताला तोड़कर अज्ञात चोर घर के भीतर गया है डाक्टर ने बताया कि अज्ञात चोर द्वारा उनके आलमारी का लाकर तोड़कर भीतर रखे 35 हजार रूपए एवं चांदी के 10-10 ग्राम के 15 सिक्के तथा सोने के एक एक ग्राम के 5 सिक्के, एटीएम कार्ड, एटीएम का पीनकोड लगा लिफाफा व एटीएम से 8 हजार रूपए निकालकर ले गए थे।

असाइनमेंट जमा नहीं करने वाले छात्र नहीं बैठ पाएंगे परीक्षा में

रायपुर (चिन्तक) छत्तीसगढ़ बोर्ड के विद्यार्थियों को असाइनमेंट जमा करने एक सप्ताह का समय दिया गया है। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल ने छात्रों के द्वारा सभी असाइनमेंट जमा किए जाने के लिए निर्णय लिया है कि कम से कम दो असाइनमेंट प्रत्येक विषय के प्रत्येक छात्र को जमा करना अनिवार्य है। जिस छात्र के द्वारा प्रत्येक विषय के दो असाइनमेंट जमा नहीं किए जाएंगे। उसे आगामी मुख्य परीक्षा 2022 की परीक्षा में सम्मिलित नहीं किया जाएगा, अर्थात् परीक्षा हेतु अपात्र माना जाएगा। अत: जिन छात्रों के द्वारा असाइनमेंट जमा नहीं किए गए हैं वे सभी छात्र आगामी एक सप्ताह की समय-सीमा में असाइनमेंट के उत्तर लिखकर अपने-अपने स्कूल में जमा करें। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल की समस्त मान्यता प्राप्त स्कूलों में शैक्षणिक सत्र 2021-22 में अध्ययनरत छात्रों को प्रति माह प्रत्येक विषय का एक-एक असाइनमेंट दिए जा रहे हैं। पहला असाइनमेंट अगस्त 2021, पांचवा असाइनमेंट दिसम्बर 2021 में जारी किया गया है। छठवा असाइनमेंट जनवरी 2022 में जारी किया जाएगा।

258 किलो गांजा के साथ 6 तस्कर गिरफ्तार

जगदलपुर (चिन्तक)। जिले के थाना दरभा अंर्तगत ग्राम छिंदावाड़ा में दुर्घटना ग्रस्त बोलेरो वाहन क्रमांक- ओडी-30 सी 5553 से 144 किलो गांजा बरामद होने पर दुर्घटना ग्रस्त बोलेरो वाहन में फंसे दो गांजा तस्कर जी.गणेश उर्फ जी.सनमुखा निवासी मलकान गिरी एवं केदारनाथ साबर निवासी मलकानगिरी उड़ीसा को गिरफ्तार किया गया है। वहीं दूसरे एक अन्य गांजा तस्करी के मामले में दरभा फारेस्ट नाका के पास जांच में फोर्ड वाहन ओडी 02-पी 4955 में सवार 04 गांजा तस्करों 1. प्रभास रंजन परीदा 2. सौम्य रंजन महंती 3. सोमेश गौड़ा 4. पी. नवीन राव सभी निवासी मलकानगिरी उड़ीसा के कब्जे से 114 किलोग्राम गांजा बरामद कर जप्त किया गया है।

मात्र 1 रुपए में अब लोगों को मिलेगी डायरेक्ट बिल्डिंग परमिशन

मुख्यमंत्री बघेल ने किया लोकार्पण

दुर्ग (चिन्तक)। नए वर्ष पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रदेश के लोगों को एक और सौगात दी। मुख्यमंत्री ने सोमवार को अपने निवास कार्यालय से डायरेक्ट भवन अनुज्ञा प्रणाली का शुभारंभ किया। इस अनुज्ञा प्रणाली से अब नगरवासी अशियाने के लिए मात्र कुछ ही सेकंड में भवन की अनुज्ञा प्राप्त कर सकेंगे। डायरेक्ट भवन अनुज्ञा प्रणाली से 500 वर्गमीटर के आवासीय भूखंडों के लिए लोगों को सरल एवं सुलभ तरीके से भवन की अनुज्ञा प्राप्त होगी। जिसका आवेदन शुल्क मात्र एक रूपए होगा। सोमवार को वर्चुअल माध्यम से मुख्यमंत्री ने पूरे प्रदेश के लिए डायरेक्ट बिल्डिंग परमिशन स्कीम और सॉफ्टवेयर सिस्टम का शुभारंभ किया।

साफ्टवेयर का शुभारंभ करते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि इस प्रणाली का सरलीकरण आम लोगों के हित को ध्यान में रखकर किया गया है। इससे नगर पालिका निगम के क्षेत्र में आने वाली एक बड़ी आबादी को लाभ पहुंचेगा। लोगों के घर का नक्शा घर बैठे-बैठे ही पास हो जाएगा। इससे कालोनियों के नियमितीकरण का रास्ता साफहोगा और भवन निर्माण अनुज्ञा के साफ्टवेयर के माध्यम से आसानी से निगरानी भी रखी जा सकेगी।

इस अवसर पर दुर्ग निगम महापौर धीरज बाकलीवाल ने आभार व्यक्त किया और मुख्यमंत्री से कहा कि उनके मार्गदर्शन में प्रदेश प्रतिदिन नया आयाम छू रहा है। इस अनुज्ञा प्रणाली से आम जनता को बहुत बढ़ी राहत मिलेगी। अब जिले के नागरिक घर बैठे ही वांछित डॉक्यूमेंट अपलोड करके सिंगल क्लिक में भवन अनुज्ञा प्राप्त कर सकेंगे। इस अवसर पर दुर्ग विधायक अरूण वोरा विधायक, दुर्ग निगम आयुक्त हरेश मण्डावी भी मौजूद थे।

बॉर्डर पर चौकसी व जांच बढ़ाने की जरूरत-सिंहदेव

रायपुर (चिन्तक)। स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने कहा कि छत्तीसगढ़ में कोरोना के केस लगातार बढ़ रहे हैं। इसलिए यह मानकर चलें कि तीसरी लहर आ चुकी है। सिंहदेव ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से पत्रकारों से बातचीत में यह बातें कहीं। स्वास्थ्य मंत्री सिंहदेव ने कहा कि कोरोना विदेशों से ही आया है।

ओमिक्रॉन भी विदेशों से ही आ रहा है। बाहर से आने वालों पर अभी प्रतिबंध नहीं लगाया गया तो यहां के बॉर्डर पर रोक लगाने का कोई औचित्य नहीं है, लेकिन बॉर्डर पर चौकसी और जांच बढ़ाने की जरूरत है ताकि इसके फैलाव को रोका जा सके। सिंहदेव ने कहा कि ओमिक्रॉन का एक भी मरीज अभी तक छत्तीसगढ़ में नहीं मिला है, लेकिन यहां यह सुनामी की तरह आएगी। क्योंकि ओमिक्रॉन तेजी से फैलता है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि यह जितनी तेजी से बढ़ेगा उतनी ही तेजी से उतर भी जाएगा।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि प्रदेश में कोरोना की रफ्तार रोकने के लिए हमे कड़े फैसले लेने होंगे। यदि पॉजीटिविटी दर तीन प्रतिशत से ज्यादा होती है तो स्कूल, कॉलेज, जिम और सिनेमा को लेकर फैसला लिया जा सकता है।

17 लाख की एलपीजी गैस से भरा टैंकर व 78 सिलेंडर जब्त, मास्टर माइंड समेत 3 गिरफ्तार

तौल मशीन लेकर आते थे, और भरी गई सिलेंडर का वजन करते थे कम

कवर्धा/ बोड़ला रायपुर के मंदिर हसौद स्थित डिपो से कैप्सूल टैंकर में आने वाले एलपीजी गैस की चोरी के गोरखधंधे का पर्दाफाश हुआ है। डिपो से निकले एलपीजी गैस से भरे टैंकर को सुनसान रास्ते पर रोका जाता था। इसके बाद टैंकर में सीधे नोजल लगाकर खाली सिलेंडरों में गैस भरी जाती और इसे ब्लैक में होटल, ढाबों व रेस्टोरेंट में खपाया जाता था। ट्रांसपोर्ट कंपनी के ड्राइवर और कवर्धा गैस एजेंसी के सप्लायर की मिलीभगत से यह चोरी हो रही थी।

एलपीजी चोरी के मास्टर माइंड समेत 3 आरोपियों को बोड़ला पुलिस ने दबोचा है। आरोपियों के कब्जे से 17 लाख की एलपीजी गैस से भरा टैंकर, 78 नग गैस सिलेंडर, एक पिकअप वाहन और एक अर्टिगा कार जब्त की गई है। एसपी ऑफिस में एसपी डॉ. लाल उमेंद सिंह, एएसपी मनीषा ठाकुर ने सोमवार शाम साढ़े 5 बजे इस पूरे मामले का खुलासा किया गया। चोरी का मास्टर माइंड आरोपी नरेश कुमार पिता मंशुराम (30) निवासी रंजीतपुरा जिला बीकानेर (राजस्थान) है। साथ ही आरोपी बीनाराम पिता बाबूराम (27) निवासी हाडिया जिला जोधपुर (राजस्थान) और मनोज पिता चनाराम बिश्नोई (22) निवासी नगरासर जिला बीकानेर (राजस्थान) को गिरफ्तार किया गया है। वर्तमान में तीनों आरोपी लालपुर रोड कवर्धा में रह रहे थे। पकड़े गए कैप्सूल टैंकर में 17 हजार लीटर एलपीजी गैस भरा था। चोरी करने वालों को इस बात का अंदाजा नहीं है कि यदि हादसा हुआ तो 4 से 5 किलो मीटर के दायरे में तबाही मच सकती है।

इसलिए भी गैस सिलेंडरों का वजन कम तो नहीं एलपीजी गैस चोरी गिरोह का मास्टर माइंड नरेश कुमार और उसके साथी सरोदा- लालपुर रोड पर रह रहे थे। यहां उन्होंने गोदाम भी बनाया हुआ है, जहां बड़ी मात्रा में सिलेंडर रखे जाते हैं।

10 लाख के हीरे के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

गरियाबंद (चिन्तक)। पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा एवं पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज रायपुर डॉ आनंद छावड़ा के निर्देश पर गरियाबंद पुलिस अधीक्षक गरियाबंद जेआर ठाकुर के द्वारा जिले के थाना प्रभारियों को अवैध हिरा तस्करी,गांजा , शराब,वन्य जीव एवं जुआ,सट्टा के कार्यवाही करने हेतु निर्देश दिये थे।

परिपालन में थाना अमलीपदर के द्वारा 71 नग हिरा के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया ।2 जनवरी 2022 को एक व्यक्ति अवैध रूप से रखे हिरा पत्थर को बेचने के लिए ग्राहक तलाश कर रहा था।इस सूचना पर थाना प्रभारी नवीन राजपूत के द्वारा वरिष्ठ अधिकारिओं को अगत कराया गया।जिस पर अति पुलिस अधीक्षक चन्द्रेश सिंह ठाकुर,अनुविभागीय अधिकारी मैनपुर रूपेश डाण्डे , अनुविभागीय अधिकारी गरियाबंद पुष्पेन्द्र नायक के मर्गदर्शन के आधार पर मुखबीर के बताये गये हुलिया के अनुसार ग्राम धुरवागुडी नाला पुल के पास रोका गया रोकर पुछताछ करने पर अपना नाम जगमोहन नागेश पिता स्व शिवप्रकाश नागेश उम्र 40 साल निवासी पुरवागुडी थाना अमलीपदर बताया गया। एक व्यक्ति के तलाशी लेने पर एक कागज पर छोट - बड़ा सफेद , भूरा रंग का हिरा पत्थर रखा हुआ था । जो कुल 71 नग लगभग 24 कैरेट वजनी करीबन किमती 10 लाख रुपये बताया।

सिम अपडेट का झांसा देकर

दवा कारोबारी का एफ डी तोड़कर 1.82 लाख निकाले

रायपुर (चिन्तक)। कालीबाड़ी के दवा कारोबारी के मोबाइल का सिम कार्ड अपडेट कराने का झांसा देकर ठगों ने 2 एप डाउनलोड कराए फिर उनकी बैंक एफडी तोड़कर 1 लाख 90 हजार निकाल लिए। कारोबारी के मोबाइल पर पैसे निकलने का मैसेज आया तब उन्हें ठगी का पता चला। उन्होंने तुरंत पुलिस में शिकायत की गई।

अफसरों ने आनन-फानन में बैंक से ट्रांजेक्शन रोकने मेल किया। उसके बाद भी ठग 1 लाख 51 हजार निकालने में सफल हो गए। पुलिस केवल 39 हजार का ट्रांजेक्शन ही रूकवा सकी। पुलिस अफसरों ने बताया कि कालीबाड़ी में विकास जैन का मेडिकल स्टोर है। उनके पास बीएसएनएल का पुराना नंबर है। ठगों ने उन्हें फोन किया और बताया कि बीएसएनएल का नंबर बंद कर सिम ब्लॉक कर दिया जाएगा। नंबर चालू रखने के लिए नए सिरे से दस्तावेज को अपडेट करना होगा। कारोबारी ने कहा कि उन्हें इसके लिए क्या करना होगा?

ठग ने उसके बाद कारोबारी के मोबाइल पर दो लिंक भेजे। उसे क्लिक करते ही कारोबारी के मोबाइल पर

एनीडेस्क और ऑटोमेटिक एसएमएस सर्विस का एप डाउनलोड हो गया। ठग ने कारोबारी से ओटीपी पूछा, उन्होंने ओटीपी का नंबर बता दिया। उसके बाद ठग का मोबाइल हैक हो गया। ठग उनका मोबाइल ऑपरेट करने लगा। उसने कारोबारी के खाते से 8 हजार निकाल लिए। कारोबारी के मोबाइल पर एफडी ब्योरा था। ठग ने पूरा डेटा निकाल लिया और बैंक से ऑनलाइन ही 1.82 लाख की एफडी तोड़ लिए। फिर पैसे अलग-अलग खाते में ट्रांसफर किए। उसके बाद कारोबारी जैन का पता चला। उनकी सूचना के बाद पुलिस एक खाते का ट्रांजेक्शन रुकवाने में सफल हुई, जिसमें 39 हजार ट्रांसफर हुआ था। बाकी पैसे ठग ने निकाल लिए है।

पुलिस के अनुसार ठगों ने एप से मोबाइल का ऑपरेटिंग सिस्टम अपने कंट्रोल में ले लिया था। कारोबारी के मोबाइल पर पैसों के ट्रांजेक्शन के पहले लगातार ओटीपी आ रहा था। वह सीधे ठग को मिल रहा था। ठग ने ओटीपी नंबर की मदद से ही खाते में सेंध लगाई। खातों में सेंध लगाने की कई शिकायतें आ चुकी हैं, लेकिन ये पहला मामला है जब ठगों ने एफडी तोड़कर पैसे निकाले हैं। पुलिस उन खातों का पता लगा रही है, जिनमें पैसों को ट्रांसफर किया है। खातों की जानकारी मिलने के बाद उन लोगों से पूछताछ की जाएगी, जिनके नाम के खाते हैं। अफसरों के अनुसार संगठित रैकेट हैक कर खातों में सेंध लगा रहा है। इस तरह के गैंग पैसे हथियाने के लिए बैंक खाते किराए पर लेते हैं।

हवाओं के दिशा परिवर्तन कारण बढ़ेगी ठंड

दुर्ग(चिन्तक)। लागतार कुछ दिनों की बारिश के बाद प्रदेश में ठंडी बढ़ी है। पिछले सप्ताह राज्य के कई इलाकों में भीषण ठंड पड़ी थी ।

प्रदेश में हवाओं के दिशा में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है । इसलिए मुख्यत: आकाश साफ रहने की सम्भावना है इसलिए प्रदेश में कल दिनांक 4 और 05 जनवरी को मौसम शुष्क रहने की संभावना है तथा अधिकतम तापमान में मामूली वृद्धि के साथ ही न्यूनतम तापमान विशेष परिवर्तन नहीं होने की संभावना है।

दिनांक 06 जनवरी को प्रदेश में आंशिक नमी युक्त दक्षिण-

पूर्व से हवाओं का आगमन प्रारंभ होने की सम्भावना है। इसलिए प्रदेश के कुछ भाग में आंशिक रूप से बादल छाने की सम्भावना है। अधिकतम तापमानों में मामूली वृद्धि और न्युनतम तापमान में 09 दिसम्बर तक 3-4 डिग्री सेल्सियस तक वृद्धि होने की सम्भावना है।

दिनांक 8 जनवरी से प्रदेश के एक दो स्थानों से हल्का वर्षा अथवा छींटे पडने से शुरूआत होने की सम्भावना है। 6 जनवरी से न्युनतम और अधिकतम तापमान में वृद्धि सम्भावित है।

स्वामी, मुद्रक,प्रकाशक, सुनील गुप्ता, द्वारा वैभव पब्लिकेशन - स्टेशन रोड दुर्ग (छत्तीसगढ) 491001 से मुद्रित कर स्टेशन रोड दुर्ग (छत्तीसगढ) 491001 से प्रकाशित - संपादक-सुनील गुप्ता। E-mail-dainikchintak @ yahoo.com ,दूरभाष 4010272 मो. 9827116751